देवनानी ने सभी दलों को सदन संचालन में सहयोगी बनने का किया आव्हान

स्वस्थ आलोचनाओं से कार्य में आती है नवीन गति : भजनलाल शर्मा

- मंत्री आएंगे तैयारी के साथ, प्रतिपक्ष भी सदन संचालन में बनेगा सहयोगी
- विधान सभा में सर्वदलीय बैठक सम्पन्न

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को विधानसभा में 16वीं विधानसभा के तृतीय सत्र की सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विधानसभा के नए परिवेश का अवलोकन किया। उन्होंने विधानसभा में हुए डिजिटलाइजेशन सहित अन्य नवाचारों की सराहना की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग सहित विभिन्न दलों के नेता मौजूद रहे।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विधानसभा का यह पवित्र सदन प्रदेश की आठ करोड़ जनता का प्रतिनिधित्व करता है। सदन की कार्यवाही को आम जनता देखती है। प्रदेश की जनता से चुनकर आये जनप्रतिनिधि अपने आचरण और व्यवहार से जन आकांक्षाओं के अनुकूल आदर्श प्रस्तुत करें। देवनानी ने कहा कि विधान सभा सदन नियमों, परम्पराओं व मर्यादाओं से चलता है। उन्होंने सभी दलों से सदन को शांतिपूर्वक चलाने में सहयोग करने और सार्थक बहस में अपनी बात समय सीमा में रखने के लिए कहा है।

विधानसभा के तृतीय सत्र की बैठकें 31 जनवरी से आरम्भ होगी। इससे पहले बुधवार को देवनानी की अध्यक्षता में विधान सभा में सर्वदलीय बैठक सम्पन्न हुई। देवनानी ने कहा कि विधानसभा का सदन नये कलेवर में तैयार हो गया है। सदन को वन-नेशन-वन एप्लीकेशन के तहत सदस्यों की मेजों पर टैब लगाकर तैयार कर दिया गया है। सदन में सार्थक चर्चा और राज्यपाल अभिभाषण को पक्ष और प्रतिपक्ष के सभी सदस्य द्वारा शान्ति पूर्ण सुनने के लिए बैठक में सहमति बनी।

देवनानी ने कहा कि सदस्य सदन में मर्यादित व्यवहार करें और वैल में नहीं आएं। सभी सदस्यों को नियमों के अनुसार बोलने का मौका मिलेगा। विधानसभा का सदन अधिक से अधिक दिन चले, इसके लिए सभी दलों को सकारात्मक सोच रखनी होगी। उन्होंने कहा कि सदन को चलाने की जिम्मेदारी विधान सभा के सभी सदस्यों की है। देवनानी ने बताया कि विधानसभा के 90 प्रतिशत प्रश्नों के जवाब विधान सभा को प्राप्त हो गये हैं। देवनानी ने कहा कि यह शुभ लक्षण है। शेष रहे प्रश्नों के जवाब भी विधान सभा को शीघ्र प्राप्त हो जाएंगे। बैठक में विधान सभा को 90 प्रतिशत प्रश्नों के जवाब प्राप्त होने के लिए विधान सभा अध्यक्ष द्वारा किये गये प्रयासों की मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित सभी ने सराहना की। देवनानी ने कहा कि सभी दलों को चर्चा के लिए नियमानुसार समय आवंटित किया जायेगा। उन्होंने कहा है कि दोनों पक्षों के मुख्य सचेतक को विधान सभा सदन की समय सीमा के अनुसार ही आसन को बोलने वाले सदस्यों की सूची देनी होगी। समय सीमा में ही सदस्यों को अधिक से अधिक अपनी बात रखनी होगी। उन्होंने कहा कि यह दलों के नेताओं की जिम्मेदारी होगी कि उनके दल का सदस्य सदन में अपनी बात को आवंटित समय में ही रखने का प्रयास करे। देवनानी ने कहा कि सभी सदस्य शालीनता से मुद्दे उठाये। देवनानी ने कहा कि यह सदन जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने का पवित्र स्थल है। इसकी गरिमा को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सदन में अपनी बात रखने के लिए पक्ष व प्रतिपक्ष के सभी सदस्यों की भावना एक समान ही होती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सदस्यों की बातो को गम्भीरता से लिया जायेगा। सदस्यों द्वारा उठाई गई समस्याओं का निस्तारण भी कराया जायेगा। उन्होंनें कहा कि स्वस्थ आलोचनाओं से कार्य में नवीन गति आती है।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आश्वस्त किया कि प्रतिपक्ष सदन संचालन में सहयोग करेगा। प्रतिपक्ष के सदस्य सदन में मर्यादापूर्ण व्यवहार से अपनी बात रखेंगे। उन्होंने कहा कि सदन चलाने की जिम्मेदारी पक्ष के साथ प्रतिपक्ष की भी है। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि विधान सभा में अध्यक्ष देवनानी की यह ऐतिहासिक पहल है। सदन संचालन में इस सर्वदलीय बैठक के दूरगामी सकारात्मक परिणाम दिखाई देंगे। उन्होंने बैठक में उपस्थित होने वाले पक्ष व प्रतिपक्ष के नेता का आभार ज्ञापित किया। बैठक में सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान, बसपा के श्री मनोज कुमार और रालोद के डॉ. सुभाष गर्ग भी मौजूद थे।

बैठक में सदन में पहले से चल रही पर्ची पर बोलने की व्यवस्था पर मंत्रियों से जवाब दिलाने पर भी चर्चा हुई। समितियों की रिपोर्ट पर बहस कराये जाने और अधिकारियों की सदन की अधिकारी दीर्घा में उपस्थिति को सुनिश्चित किये जाने के सुझाव भी आये। विधान सभा में सदन चलाने के लिए सर्वदलीय बैठक का आयोजन देवनानी की ऐतिहासिक पहल है। देवनानी ने सदन को नियमों, मर्यादाओं और शांतिपूर्ण तरीके से चलाने के लिए सभी दलों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा है कि विधान सभा के तृतीय सत्र में पक्ष और प्रतिपक्ष के सभी सदस्य सदन में इस तरह का व्यवहार करें कि यह सत्र विधान सभा का आदर्श बन सकें और लोकतंत्र के इस पावन स्थल से आमजन की अपेक्षाएं पूरी हो सके। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने विधान सभा पहुंचने पर अध्यक्ष देवनानी का पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनन्दन किया। अध्यक्ष देवनानी ने मुख्यमंत्री शर्मा, नेता प्रतिपक्ष जूली को विधान सभा का वर्ष 2025 का वॉल एवं टेबल कैलेण्डर भेंट किये। देवनानी ने सभी दलों के नेताओं को सदन के बदले स्वरूप का अवलोकन भी कराया।

लिव-इन को लेकर कानून बनाए सरकार : हाईकोर्ट

- 'पंजीकरण के लिए हर जिले में प्राधिकरण बने'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले लोगों के लिए कानून बनने की मंशा जताते हुए केन्द्र और राज्य सरकार को इस पर कार्यवाही करने को कहा है। अदालत ने कहा कि जब तक कानून नहीं बन जाता तब तक लिव इन के रजिस्ट्रेशन के लिए हर जिले में सक्षम प्राधिकरण बनाया जाए। यह प्राधिकरण लिव इन में रह रहे जोड़ों की समस्याओं का निवारण करे। अदालत ने इस संबंध में एक वेबसाइट शुरु करने को कहा है ताकि ऐसे रिश्ते से उत्पन्न होने वाले मुद्दों का समाधान किया जा सके। वहीं अदालत ने विवाहित व्यक्ति के किसी अन्य के साथ रखने पर उसे संरक्षण देने को लेकर कानूनी बिंदु तय करने के लिए वृहद पीठ में भेजा है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश लिव इन में रह रहे जोडो की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि देश में अभी भी लिव इन को सामाजिक मान्यता नहीं है, लेकिन कानून की नजर में यह अवैध भी नहीं है। देश में लिव इन पर कानून नहीं होने से अदालतों के अलग-अलग फैसलों के चलते बहुत से लोग भ्रमित हो जाते हैं। ऐसे में समय की मांग है कि संसद और राज्य विधानमंडल को इस मुद्दे पर कानून बनाने के लिए विचार करना चाहिए। वहीं ऐसे रिश्ते से हुए बच्चे और महिला को सहायता के लिए अलग से कानून बनाए जाना चाहिए। वहीं ऐसे बच्चों की शिक्षा और पालन पोषण की जिम्मेदारी वहन करने के लिए लिव इन के साझेदारों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। अदालत ने कहा कि अदालतों में ऐसे कई मामले आ रहे हैं जिनमें लिव इन में रहने वाला एक पक्ष विवाहित है और बिना तलाक तीसरे के साथ रह रहा है। वहीं कई मामलों में दोनों विवाहित हैं, लेकिन अलग महिला या पुरुष के साथ रह रहे हैं। इन जोडों ने परिवार और अन्य लोगों से जान का खतरा बताते हुए अदालत से सुरक्षा की मांग की है। अदालत ने पूर्व में कुछ मामलों में सुरक्षा दी है, जबकि कुछ मामलों में सुरक्षा देने से मना किया है। ऐसे में इस कानूनी बिंदु को तय करने के लिए वृहद पीठ में भेजना उचित होगा।

वृद्धा को बंधक बनाकर लूटपाट करने वाली नेपाली गैंग गिरफ्तार

जयपुर। गांधी नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) जयपुर पूर्व ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए वृद्ध महिला को बंधक बना कर लूटपाट करने वाली नेपाली के गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने-चांदी के जेवरात सहित तीन लाख 29 हजार रुपये की नकदी भी बरामद की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि गांधी नगर थाना पुलिस और डीएसटी पूर्व ने 21 जनवरी को निवासी देवी पथ सोनी अस्पताल के पास की रहने वाली वृद्ध महिला मंजू देवी कोठारी को बंधक बनाकर लूटपाट करने वाले नेपाली गैंग के शातिर बदमाश मदकुल दमाई और दान बहादुर को गिरफ्तार किया है और साथ ही पारेख बहादुर शाही, निरंजन शाही, प्रवीण बहादुर, महिला आरोपित सावित्री सहित अन्य आरोपी को नामजद कर उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

गांधी पथ-पश्चिम के हालातों पर हाईकोर्ट ने लिया स्वप्रेरित प्रसंज्ञान

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने वैशाली नगर स्थित गांधी पथ-पश्चिम के बिगड़ते हालात पर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार और जेडीए को नोटिस जारी कर 17 फरवरी तक जवाब तलब किया है। अदालत ने राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता जीएस गिल और जेडीए के वकील अमित कुडी को कहा है कि वे मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश कर बताए कि मौके से अतिक्रमण कब तक हटाया जाएगा। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश मामले में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स पर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिए। वहीं अदालत ने मामले में अदालत का सहयोग करने के लिए अधिवक्ता रिनेश गुप्ता को न्यायमित्र नियुक्त किया है।

अदालत ने मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि गांधी पथ-पश्चिम के हालात बिगड रहे हैं। एरिया की किसी सड़क पर गहरे गड्ढे हैं तो किसी सड़क पर सीवर चैंबर के ढक्कन इतने ऊँचे हो गए हैं कि वहां से वाहन निकलना भी बेहद मुश्किल है। गांधी पथ पर अंडरपास पार करने के बाद एरिया में बिगडे हालात नजर आते हैं। जबकि यहां से रोजाना हजारों वाहन निकलते हैं। अदालत ने मामले में प्रकाशित समाचार का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां सीवर लाइन डाले तीन माह बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक सड़क निर्माण का काम शुरू नहीं हुआ है। शादियों के सीजन में करीब चार किलोमीटर की दूरी को पूरा करने के लिए चार घंटे भी कम पडते हैं। गांधी पथ पर कई जगह अतिक्रमण होने से रोड संकरी हो गई है और इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पडता है।

'आदिवासी युवा पारंपरिक ज्ञान और आधुनिकता में सामंजस्य बैठाएं'

भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र संगठन की और से गृह मंत्रालय के सौजन्य से आयोजित 16वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के चौथे दिन पोस्टर पेंटिंग, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और लोकगीत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

जयपुर। भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र संगठन की और से गृह मंत्रालय के सौजन्य से आयोजित 16वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के चौथे दिन भी उत्साह और ऊर्जा चरम पर रही। कार्यक्रम में पोस्टर पेंटिंग, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और लोकगीत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि, महानिदेशक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा, ने आदिवासी समाज की प्रकृति से जुड़ी जीवनशैली की सराहना करते हुए कहा, "आज संपूर्ण विश्व जलवायु परिवर्तन के संकट से जूझ रहा है, लेकिन आदिवासी समाज जल, जंगल और जमीन के संरक्षक के रूप में सदियों से प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जीवन व्यतीत करता आया है। इनकी पारंपरिक जीवनशैली और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति सम्मान संपूर्ण विश्व के लिए एक मार्गदर्शक है।"

डॉ. भुवनेश जैन, क्षेत्रीय निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन, पश्चिमी क्षेत्र, भारत सरकार ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम आदिवासी युवाओं को शांति और विकास का वातावरण दिखाने और इससे प्रेरणा लेने के लिए आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष जस्सा राम चौधरी, सेवानिवृत्त आई.ए.एस. ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा,यदि आप लीक से हटकर कार्य करेंगे, तो विशेष उपलब्धियाँ हासिल कर सकते हैं।

कश्मीर हो या गुवाहाटी अपना देश-अपनी माटी : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से आज बुधवार को यहां पूर्वोत्तर के सात राज्यों मणिपुर, नागालैण्ड, असम, सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा के तीस विद्यार्थियों के प्रतिनिधि मंडल ने स्टूडेन्टस एक्सपीरियन्स इन्टर स्टेट लिविंग प्रोग्राम के तहत शिष्टाचार भेंट की।

देवनानी ने इस अवसर पर विद्यार्थियों से संवाद करते हुये कहा कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता को जोडने वाला है। यह विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति को समझने में योगदान प्रदान करता है। देवनानी ने कहा है कि उन्हें भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला है और विभिन्न प्रदेशों की संस्कृति को भी इस कार्यक्रम के तहत उन्होंने नजदीक से पहचाना है। स्टूडेन्टस एक्सपीरियन्स इन्टर स्टेट लिविंग प्रोग्राम के तहत आये विद्यार्थियों ने विधान सभा में स्थित म्यूजियम एवं संविधान दीर्घा का भी अवलोकन किया।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी को दल में आए छात्र-छात्राओं ने बताया कि राजस्थान विधानसभा और यहां के संग्रहालय को देखकर वे गौरव की अनुभूति कर रहे हैं।

महाकुंभ संगम पर भगदड़ प्रायोजित नहीं, विपक्ष को इस मामले में राजनीति नहीं करनी चाहिए : राठौड़

- 'दिल्ली चुनाव ने किया स्पष्ट, कांग्रेस पार्टी अवसरवादी, कभी आप के समर्थन में तो कभी विरोध में लड़ रही है चुनाव'
- 'विधानसभा सत्र में विपक्ष निभाए सकारात्मक विपक्ष की भूमिका'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने महाकुंभ संगम पर भगदड़ के दौरान घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और दिवंगत होने वाले श्रद्धालुओं के परिजनों को दुख की इस घड़ी में सबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। राठौड़ ने आमजन से अपील की कि धार्मिक आयोजन महाकुंभ में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए और श्रद्धालुओं को संयम, धैर्य रखना चाहिए। राठौड़ ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों में भी विपक्ष आलोचना करने का कार्य कर रहा है। जबकि विपक्ष को ऐसे मामलों में बोलने से बचना चाहिए।

राठौड़ ने कहा कि यह दुखद हादसा हुआ है। यह कोई प्रायोजित नहीं होता कि भगदड़ मचाओ। विपक्ष को ऐसे मामलों में राजनीति नहीं करनी चाहिए बल्कि दिवंगत हुए हैं उनके तथा उनके परिवार के प्रति सद्भावना तथा संवेदनाएं व्यक्त करनी चाहिए। विपक्ष इसमें राजनीति कर रहा है, यह निंदनीय है। राठौड़ ने दिल्ली चुनाव को लेकर किए गए सवाल पर कहा कि कांग्रेस में फूट है, और कांग्रेसी नेताओं में निराशा का भी माहौल है। कांग्रेस कभी आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ती है तो कभी उसके सामने विरोध में मैदान में है। स्वाभिमानी व्यक्ति इस तरह नहीं करता। दिल्ली के शराब कांड को लेकर जब कांग्रेस उनके साथ थी तो बचाव में थे, अब जब विरोध में चुनाव लड़ रहे है तो आरोप लगा रहे है। इससे स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस की मानसिकता स्थाई नहीं है। कांग्रेस अवसरवादी पार्टी है इससे ज्यादा कुछ भी नहीं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विधानसभा सत्र को लेकर कहा कि विपक्ष को विपक्ष का दायित्व निभाना चाहिए। विपक्ष को सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभानी चाहिए। केवल हंगामा करना सही नहीं है। सदन में बाहुबलियों का काम नहीं है। यहां विपक्ष को गरिमापूर्ण, नीतिगत और सार गर्भित तथ्यों के आधार पर विरोध करना चाहिए। केवल हंगामा करके सुर्खियों में आना यह जनप्रतिनिधियों का दायित्व नहीं है।

राजेश गुर्जर जयपुर देहात दक्षिण के दोबारा जिलाध्यक्ष बने

जयपुर। भाजपा के संगठन पर्व कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्षों की नियुक्तियों का सिलसिला जारी है। उसी के तहत बुधवार को जयपुर देहात दक्षिण के अध्यक्ष के नाम पर एक बार फिर से युवा अध्यक्ष के रूप में राजेश गुर्जर की नियुक्ति की गई। बुधवार को बगरू में हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संगठन पर्व के कार्यक्रम में जयपुर देहत दक्षिण के अध्यक्ष राजेश गुर्जर के नाम की घोषणा की। इस दौरान राजेश गुर्जर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का बुके देकर स्वागत किया।

चेन स्नेचिंग व गैस सिलेंडर चुराने वाले दबोचे

जयपुर। गांधी नगर थाना पुलिस ने चेन स्नेचिंग और गैस सिलेंडर चोरी करने वाली गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने की चेन और एक दर्जन गैस सिलेंडर बरामद किए है। गांधी नगर थाना पुलिस ने चेन स्नेचिंग और गैस सिलेंडर चोरी करने वाली गैंग के आरोपी शुभम गुर्जर मूलतः गणेश नगर मोती डूंगरी हाल दौलतपुरा एवं हैप्पी सिंह सूरज नगर हाथोज रेलवे फाटक सिरसी रोड करधनी को पकड़ा है।

बालिका के अलावा दो बच्चों को भी बंधक बना रखा था महिला ने

- बच्चों को न ठीक से खाने को देती थी, ना ही नहाने देती थी महिला

जयपुर। नाबालिग दुष्कर्म पीडिता को बंधक बनाकर नौकरानी की तरह रखने वाली गिरफ्तार महिला ने दो अन्य बच्चों को भी बंधक बना रखा था। महिला इन बच्चों को न ठीक से खाने को देती थी ना ही नहाने देती थी। कई महीनों तक बिना नहाए रहने से बच्चों के शरीर में फुंसियां और घाव बन गए थे। दुष्कर्म पीडिता ही इन बच्चों का ध्यान रखती थी। करणी विहार थाना पुलिस ने जब मकान में बंधक बनाए गए बच्चों से पूछताछ की तो कई चौकाने वाली बातें सामने आई।

पुलिस ने बताया कि जिस महिला ने बच्चों को बंधक बना रखा था। उसने रेस्क्यू करने वाली टीम को भी धमकी दी थी। बच्चों का रेस्क्यू तो नवंबर माह में ही कर लिया गया था। उसके बाद से महिला बार बार दबाव बनाकर बच्चों को कस्टडी में लेने की कोशिश कर रही थी। इस मामले में दो महीने बाद महिला की गिरफ्तारी हुई है। फिलहाल महिला को जेल भेज दिया गया है। मामले की जांच वैशाली नगर थाना पुलिस कर रही है।

महिला ने नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को 8 साल तक नौकरानी के तौर पर बंधक बनाकर रखा। वह उससे घरेलू काम करवाती थी। विरोध करने पर डंडे और जंजीर (चेन) से मारपीट करती थी। 16 साल की नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता के अलावा दो बच्चे भी बंधक थे, जिनकी उम्र 5-6 साल है। आरोपी महिला काफी समय से मकान पर नहीं आई थी।

रेस्क्यू करने वाली चाइल्ड लाइन की टीम की कोऑर्डिनेटर रुखसाना ने बताया कि काउंसलिंग में सामने आया कि बच्चे तीन सौ वर्ग गज के मकान में अकेले रह रहे थे। इनकी सार संभाल के लिए वहां कोई नहीं था। मधु अग्निहोत्री नाम की जो महिला इन बच्चों को यहां बंधकर बनाकर रख रही थी, वह दो तीन महीने में एक बार रात के समय ही मकान पर आती थी। कुछ देर रुकती और चली जाती थी। इस दौरान बच्चों से कोई गलती हुई होती तो उनके साथ मारपीट करती थी। दरअसल, महिला के बेटे के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज है। इस मामले में महिला भी संदिग्ध थी। जब पुलिस ने उसके हीरापुरा रजनी विहार वाले मकान पर दबिश दी तो वह मकान के पीछे की तरफ वाली दीवार कूदकर भाग गई थी। इसके बाद से महिला इस मकान पर नहीं आती थी।

बच्चे ही इस मकान में जैसे तैसे रह रहे थे। महिला पड़ोसियों और रिश्तेदारों को यही बताती थी कि वह शेल्टर होम चलाती है और बच्चों की देखभाल करती है। इन तीनों बच्चों को भी वह शेल्टर होम में रखने का ही बताकर लेकर आई थी।

चाइल्ड हेल्पलाइन कोऑर्डिनेटर रुखसाना ने बताया कि बच्चों को समय पर खाना तक नसीब नहीं हो रहा था। दो छोटे बच्चे तो कई बार घर से बाहर निकलकर सड़क पर पड़ी रोटियां तक खा जाते थे। बंधक मुक्त करवाई बालिका ने बताया कि मालकिन ने एक दुकान बता रखी थी। वह उस दुकान पर जाती थी। जहां से उसे कुछ दिन का राशन मिल जाता था। मालकिन ही दुकानदार को बताती थी कि राशन कितना देना है और क्या देना है। इसके बाद वही लाकर खाना बनाती थी। राशन खत्म हो जाता तो फिर कई दिन भूखे रहना पड़ता। कुछ समय पहले बालिका के घर वाले भी बालिका को लेने आए थे। महिला ने बालिका से उन्हें मिलने तक नहीं दिया। उल्टा डरा धमकाकर घरवालों को वापस भेज दिया। बालिका के परिवार वाले काफी गरीब हैं। बालिका सात साल की थी उस समय उसे मधु, इलाज और पढ़ाई का नाम लेकर अपने साथ लेकर आई थी। आठ साल तक बालिका को नौकरानी बनाकर रखा। मधु ने बालिका को इतना डरा धमका भी रखा था कि शुरुआत में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं थी। विश्वास में लेने के बाद उसने टीम को आपबीती बताई।

जब बच्चों का रेस्क्यू किया गया, उनकी हालत काफी खराब थी। सर्दी के बचाव के कपड़े तक नहीं थे। जो पहन रखे थे, वो भी फटे पुराने। बालिका ही इन दोनों बच्चों का जैसे तैसे ध्यान रख रही थी। मधु ने दिखावे के लिए बालिका का स्कूल में दाखिला करा दिया था लेकिन स्कूल भेजती नहीं थी। एक बच्चे के पैर में काफी फुंसियां हो रही थी। दूसरे की स्किन डैमेज थी। बच्चे दो महीने से नहाए तक नहीं थे। एक बच्चे के सिर में चोट का निशान मिला। पता करने पर सामने आया कि मधु ने बच्चे से गलती होने पर उसे डंडा मारा था। आरोपी महिला ने बालिका को बंधक बनाकर ही नौकरानी का काम करवा रही थी।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में दिखेगी यूरोपीय साहित्य और संस्कृति की झलक

राजधानी जयपुर की होटल क्लार्क्स आमेर में गुरूवार को साहित्य का महाकुंभ शुरू होगा। फेस्टिवल के स्थल पर दरवाजों को खूबसूरत तरीके से सजाया गया है।

जयपुर। होटल क्लार्क्स आमेर प्रांगण गुरुवार को गुनगुनी धूप में शब्दों के तिलिस्म और सुलगते विचारों से गुलजार होगा। यहां 3 फरवरी तक जेएलएफ में शब्दों के महारथी साहित्य रथ पर सवार रहेंगे। वहीं लेखकों, बुद्धिजीवियों और अदबी श्रोताओं की चहल कदमी से जश्न का माहौल रहेगा। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के 18वें संस्करण में यूरोपीय संघ (ईयू) की भागीदारी से यूरोपीय संघ और भारत के सांस्कृतिक व साहित्यिक संबंधों को मजबूती मिलेगी।

यूरोपीय साहित्य की समृद्ध विविधता, सांस्कृतिक और भाषाई विरासत की झलक देखने को मिलेगी। यूरोपीय संघ के 15 से अधिक नामी लेखक हिस्सा ले रहे हैं। इसमें लेखिका गैब्रिएला रूइवो खासतौर से शामिल हैं। यूरोप की विविधता और रचनात्मकता को दर्शाने वाली कहानियां सुनने को मिलेगी। तीस जनवरी को होने वाले एक सत्र बुक्स, आइडियाज एंड डिजिटल इकोसिस्टम में भारत में यूरोपीय संघ के राजदूत, हर्वे डेल्फिन, यूरोपीय संघ के लेखकों के साथ शामिल होंगे। गौरतलब है कि 27 देशों वाला यूरोपीय संघ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। आबादी में चीन व भारत के बाद तीसरे स्थान पर है। हालांकि विविधता से परिपूर्ण, यूरोपीय संघ बनाने वाले सभी देश समान बुनियादी मूल्यों शांति, लोकतंत्र, कानून और मानवाधिकारों के लिए प्रतिबद्ध हैं।